



श्रीगणेशाय नमः
1945 A.D. 1945

2560

2600

ॐ अहं वं वज्रा द क हं सा हा ॥ का य वा चि रु डु ड या स्म व ज्ञा द क ॥ अ व न या या ॥
य थ हि जा न मा णं हा सर्व त थ ग न हा पि ता ॥ ग थ ध ल सा सक ल न थ ग न प नी
जा न रु य ॐ स्ना न या ता ॥ रु थ हं हा प यी ध्या मि डु ड दि य न वा नि द सा च ता थ्यं जि नं
स्ना न या ना ॐ डु ड या या ॥ ॐ अः सर्व त थ ग ना अ रि ष क स म धि य हं ॥ थ सक ल न
थ ग न या अ रि ष क का या ॐ स्ना न या या ॥ ॐ ह्रीः सा हा र का य वि अ व न सा हा ॥ अ व
म न या स्त्री डा नि डु ड या या ॥ ॐ न मा र ग व न पू ष्य के तु ना जा या ॥ श्री पू ष्य के तु ना ज

[illegible]

तनां॥स्नानजाकिलस्वसदस्यंमकुलसहायका॥दानं॥गमयमं वनावसहितां॥ल
खसहित॥गमयनवधित्वा॥दानं॥पात्र॥अन्या॥शीलं॥ससन्मा॥जनि॥उद्दिनवपूना
॥उशीलस्यहावनशुद्धयाय॥कान्तिः॥उपिपीलिकाद्यपनयां॥सपानिआदिनलि
यियका॥उकमाधमत्रिश्या॥वीर्यक्रियात्वापनं॥क्रिया॥उथययाना॥उपत्राक्रमय
या॥ध्यानं॥नकृष्टमकविरुक्तत्रयी॥उकविरुक्तनध्यानयाया॥प्रह्लासलेखाकलाहान
प्रकाशयास्यं॥वृद्धिबलदयक॥उतापात्रमिताः॥षट्बशात्ररुतकृत्वामनमकुलं
मूलिषध्यात्रमितांपूत्रशस्यंलिमूनिमकुलदयक॥एवउकनकवर्त्तुसर्वत्राग

विमूकः॥ सूत्रमनूजविजिह्वचन्द्रवदीफिंकानि॥ **थनयाप्रहावनदवमनूष्य**
सुउलमश्याजोचन्द्रमार्थितजश्याजो **सुवर्हर्तलनघापलरुस्यं** **नागमूक**
यिजो॥ धनकनकसमृद्धाजायतत्राजवंशसूगतवत्रगृहसिंकायकमानिकुलगा॥
गवक्रस्यंतथागतयागृहमकुलदयकलजो **मत्राजायाकूलसजन्मश्याजो** **महाध**
नाग्रश्रुयिजो॥ ॥ **ओंमकुलषसूलषसर्वतथागतज्रधिष्ठानाज्रधितिषुकुखा**
हा॥ **मकुललेषनावानलाकाजो** **सकलतथागतज्रधिष्ठानयास्यंविश्वाचका॥** **ओंच**
डाकविमलेखाहा॥ **ओंवज्रसत्वसर्वविद्यानूसात्रयहं॥** **शीवज्रतथागतनविष्णुस**

कलिरूटका उचउसूर्यच्यंनिर्मयानां ॥ ॐ हमाहमस्य मत्रवनमः ॥ मत्रमसु
लयादथूसा ॥ ॐ ईः मध्यमत्रवनमः ॥ मत्रमसु लयादथूज ॥ ॐ ईः सूक्रमस्य म
त्रवनमः ॥ मत्रमसु लयादथूरु ॥ ॐ ईः पूर्वदीपायनमः ॥ पूर्वदीपा ॥ त्रजमूदी
पायनमः ॥ दक्षिणदीपा ॥ लज्जपत्र एम जा वत्रियनमः ॥ पश्चिमदीपा ॥ वं उरुत्रकृ
वनमः ॥ उरुत्रदीपा ॥ या उ पदीपायनमः ॥ अग्निदीपा ॥ त्र उपदीपायनमः ॥ नैऋ
त्यदीपा ॥ ल उ पदीपायनमः ॥ वायुदीपा ॥ वा उ पदीपायनमः ॥ रूसा नदीपा ॥ य
गत्रतत्तायनमः ॥ पूर्वगत्रतत्ता ॥ त्र अश्वत्रतत्तायनमः ॥ दक्षिण अश्वत्रतत्ता ॥ त्र यत्रतत्ता

त्रत्वाय नमः ॥ पश्चीमपूरुषत्रत्वा वैष्णुत्रत्वाय नमः ॥ उत्तरः स्त्रीत्रत्वायारवद्रत्वा
य नमः ॥ अग्निर्काशखदगत्रत्वा ॥ तामहित्रत्वाय नमः ॥ नैऋत्यकाशमहित्रत्वा लाच
कत्रत्वाय नमः ॥ वायुकाशवक्रत्रत्वा ॥ वासर्वनिधनं नमः ॥ श्रीज्ञानकाशनिधि
त्रत्वा ॥ चंद्राय नमः ॥ सूक्ष्मत्रयाखंडा ॥ सूर्यय नमः ॥ सूक्ष्मत्रयाजंडा ॥ ओं ज्ञाः
श्रीवज्रसत्त्वगुत्रत्वं नमः ॥ मध्यह्नुजं नमः ॥ ॥ मधुलसपर्वशपचात्रपूजायाया ॥
वज्रगच्छेत्ताहा ॥ वित्ता ॥ वज्रधूपत्ताहा ॥ धूपत्ता ॥ वज्रधूपत्ताहा ॥ पूज्या ॥ वज्रनैव्यशत्ता

ॐ शिवाय नमः प्रह्लादं अथ कालसकलं दूदकलाधनाथं संसात्रसंज्ञिनं
मिखानहिकं स्यात् ॐ श्रीगुरुणा स्तुत्रया तन्निधं नमस्तुत्रया नमः ॥ नमो ब्रह्माय
व नमो धर्मयिः तत्राद्यनमसंघायः महो विद्यापि सततं नमः ॥ गुरुभ्यां विद्या
कर्मवृक्षं संसात्रतत्रया कर्मवृक्षं तत्राद्यनव्याख्यानाय कर्मसंघः धर्मयि तत्र वृक्षय
तसदाकारं नमस्तुत्रया नमः ॥ सर्ववृक्षं नमस्तुत्रया मिधर्मं च जिनराषिनां संघं च
जीलसंपन्नं तत्र वृक्षय नमस्तुत्रया सकलवृक्षयार्तं नमस्तुत्रया ब्रह्मया भूतानां धर्मया

तं नमस्कात्रागीलस्य हावसंपूर्णसंघयातनमस्कात्रा ॥ आत्रत्तुयंमसत्रहंसर्वेष
तिदिशम्यद्यं ॥ अनूमादजगत्पूर्यं वृद्धवा एषेददमनशा ॥ अत्रत्तुयंमसत्रहंसर्वेष
गनाः पूर्यमानूमादरायास्यं वाधिविलु उत्पलियाया ॥ ॥ आवा एषेदरायास्यं वृ
द्धधर्मगहमलमं ॥ वा एषे विलु कत्रोम्यषस्यपत्रार्थप्रसीदया ॥ वृद्धधर्मसंघयासत्र
हाउनाउः वाधिविलु उत्पलियास्यं संसात्रयाकार्यसिद्धयाया ॥ ॥ उत्पादयामिष
यवाधिविलुः निमनुयाम्यषचसर्वसत्त्वान् ॥ ॥ ॥ ॥ चत्रिष्यवत्रवाधिवर्यं वृद्धा

हवयं जगताहिनाय॥ वाधिविरुद्धलुक्तियानां॥ सर्वसत्त्वयातनिमत्तु श्रयास्य
॥ वृद्धचर्यवल्लया॥ वृद्धरुद्धसंसारसहजयाया॥ ॥ दशनां सर्वपापानां प्रत्य
नां नानूमादनां॥ कृतापवा संवत्रिष्यामि॥ अय्यष्टौ गमूपाषधं॥ सकलपापादि
प्रह्म नूमादनायास्य॥ अय्यष्टौ गउपाषधवृत्तवल्लया॥ ॥ मया बालेन मरु
नयत्किञ्चित्पमावित॥ प्रकृता यद्यसावयं प्रहृष्टा यद्यमवच॥ बालखमरु
रुया॥ अहिस्मं मसिस्मं याना पापदयि॥ अथापसमस्तं रूद्रकमालधर्कं च लपाल

ममास्तु शक्तिरसः प्रकाशयेद्वहनिः ॥ १ ॥ उदय इत्यादि गायत्र्यसंज्ञा त्रसंज्ञा
काश्यायान्तः ॥ २ ॥ उदय इत्यादि गायत्र्यसंज्ञा त्रसंज्ञा काश्यायान्तः ॥ ३ ॥
यागसमर्थयवमालयकज्जामकायाया ॥ ४ ॥ पृष्ठः प्रतान् स्मृतिमागतावा इ
ष्टः कथायागमूपागतावा ॥ सर्वप्रकारं गताहितानि कुर्यात्तदर्थं सुखसहित
या ॥ ५ ॥ नडाक्रयातकनः सा डाक्रयातकना ॥ सर्वप्रकारयानानं संज्ञात्रयातहित
याना डाक्रयावियगुलीमः समर्थयाया ॥ ६ ॥ अर्थसंज्ञादकनवलिप्रोक्तं ॥ यन

वलिसङ्खलखतया॥ ॥ ॐ जौं ह्राचमनं प्रति रुखाहा न नायं का न रावाय
मकुलं न इषत्रि नंका न राग्रिमकुलं न इषत्रि डिमू कुन सूठिका यां सिलडि
पद्मरा मेरनं न उरुकादिपत्रि पत्रि नं चन चका न रा उत्पत्ति रुडा गुना चूम कुल
या वजाने अग्रिम कुल चमानं वजाने रा गव कुजी न ननु तुली वचका डा प्रथम रा
मुत्तमाय नावाली पूर्ववाय ॥ ॐ जौं जौं खै हौं ॥ नौ नौ पां नौ दौं ॥ काल मा नै पञ्चम न प
च प्रदीपं नृपं पश्य न ॥ ॐ ह्रं खै ह्रं ॥ ॥ ॐ डादिसा कपाले ह्य आचमनं प्रति
रुखाहा ॥ ॐ डादिसा कपाले वलिसङ्खलखतया ॥ ॥ ॐ डाय खाहा ॥ यमाय

साहा॥ वनूदाय साहा॥ कवेनाय साहा॥ जगत्प्रसाहा॥ नैम साहाहा॥ वायूवेसा
हा॥ ज्ञानाय साहा॥ उच्चैश्च साहा॥ सूर्याग्रहाधिपते साहा॥ चक्रानकज
धिपते साहा॥ जम्भपृथ्वीय साहा॥ नागस्य साहा॥ जस्रस्य साहा॥ यकृत्य सा
हा॥ सर्वदिग्विस्त्राकपालत्वः साहा॥ धनदशदिगुलकपालादि स्नानदीपः ॥
पञ्चपद्मपद्मवलिपूजनं॥ वलिसर्पचापचात्रपूजायाय॥ ॥ पाउशल्लग्न
दिचक्रवादनस्तुतिनर्प्यना॥ पाउशल्लग्न आदिनस्तुतिनर्प्यनविया॥ ॥ साक
नजलं वलिनिष्पत्तिनं॥ सांजाकिलखसखासं वलीसहायका॥ ॥ नूदादिवर्जीः

सहस्रवर्षे निमं रगृह्णन्तु वलिविजिह्वः॥ जग्निर्मन्त्रेण सप्तकादापश्च, जप्यं प
पनीवर्षे धनाधिपो च॥ श्रीमानरुणाधिपतिं च ददातु हं च ददा कृपितामहश्च॥ द
वासमस्तु शुभियवनागमः धनं २ गुह्यं गणेशः समस्तः स पूज्यतामसहस्रं संपाः
पूष्यं वलिधूपविलपनं च॥ गृह्णन्तु रुजन्तु पिवन्तु च दं ३ द वै कर्मसकलं शं गन्तु
॥ वज्रधारा सप्तकादापश्च जग्निर्मन्त्रेण सप्तकादापश्च, जप्यं प
व॥ उच्यते वनयानां जातः च द सुखादि वृक्षाः पृथ्वीमानाः नागलोकः देवलोकाः च
पनी सप्तकादापश्चः पूज्यो बुद्धासदागामिहि महेश्वराः ॥ धूपं धूपदं वगन्तु नैव

दिनसंयुक्तयास्त्रिपूजायानाउक्तयागुर्वलिमानकास्यंतीजनयानाउक्तिगहाकृत्य
यामविद्यायमाला ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो ब्रह्मवर्षादाय महावज्र
काश्रय उं शुककहेत्रजाय अस्मिन्शलपत्रगुपाशगृहसुहृदाय ॥ ॐ अमृत
कृतुलिखसः स्वाहि २ निष्ठ २ वन्ध २ रुन २ दह २ विह्वल २ य २ महागनपति जीवि
नान्धकात्राय हूं हूं रुद्र स्वाहा ॥ वनिपातयन् ॥ ॥ थनं वलि संप्रदाय चानप
जायाया ॐ अका नामूखः सर्वधर्मानामाघनृत्यन्तत्वा ॐ अः हूं रुद्र स्वाहा ॥ थव

लिमन्तु वीना उवाच न जाति न रव स ह्यस्यं वलिस च्छाका ॥ यधमाह उप्रहवाह
गुह्यं न तथा गतः शास्त्रवद रुष्मां यानि त्रां य उर्वा वादी महाश्रम दः ॥ वायू वज्रका
मध्वसक्त आत्मा धर्म संसात्र ह्युन उत्पत्तिरलः य ह्युयात न तथा गत धन य ॥ धूगुली
प्रकाश दः श्री गणेश्वरि ह्यत गवान् संसात्र वज्रहि तु हिला उवाच न गुमहिमानि श्रय
न ज्ञाह्य दय कला ॥ ॐ वज्रसत्त्व समय मनूपा लयः स वज्रसत्त्व त्वं मां त्मस्यं प्र
ति ज्ञानूपा लया ॥ स जगत्संसात्र व काया कक्त वज्रसत्त्व पत्र मं द्वत्र नूपा ल स न जि

नमः स यत्र का काय विद्या यमालः वज्र सत्त्वं न प्रतिष्ठः वज्र अज्ज्य श्रया उ
विद्या यमालः इरा मरुतः जि उपत्र स इर श्रया मालः सूता ध्या मरुतः जि उपत्र स
मैला ष श्रया मालः सूपा ध्या मरुतः जि त पा ष या य मालः अन्न न का मरुतः जि उ ना
पत्र स या य मालः सर्व सिद्धि म प्र य नः सक ता कर्म स जि त सिद्धि द य मालः सर्व क
म सूच मा वि ल्प्री यं कू नू सक ता कर्म स वि क्त न या उ जि त न का या य मालः हं ह
रु रु रु हा त ग व न् सर्व त था ग नः ह स क ल न था ग न प नी जि त ग व ल स नाल न म

तं उ० वज्रमामं च वज्री हं व० जि त वज्र थं क व च या य माल म हा स म य स त्व अः
स कल लोक या त स म य त्र का या य माल ॥ ॥ शिवा कं वं पठित्वा दि स र्ज नं ॥ न म
क त्र गृही ति वि स र्ज न या या ॥ ॥ कृते व स र्व स त्वा र्थ सि धि द त्वा य थ न ग म शा ग
रु धं वृ द्ध वि ष य पु न ना ग म ना य च ॥ स कल सं हा त्र या तं जि तं सि धि द ल वि या
उ ग ध थ उ गु गु व न न वि द्वा ना ॥ अ थं थ उ गु वि ष य सं गु वि द्वा न पु न व त्रि
द वा प्र सा न र स दि द्वा च ना ॥ ॐ अः हं ग रु र म रु ल वि स र्ज नं ॥ रु गु नू रु वृ द्ध ध र्म

[illegible]

॥ सतिउडु कया रुत ॥ ॥ सिलडुक सा लक्ष्मि मित्राह ॥ जं अ मित्रा

ॐ क सा धे न ग्रा ह द य ङ ॥ ब्र ङ इ व ल मि र वा तु क सा क न रु ख न ल्या य

मात्रिऽ॥ मिश्रानिग्वत्तुकसा गुह्यः०॥ ज्ञां क्रमपन तुक

सां नि नारुदं ॐ उ॥ स्वयं निर्मातृन सा को प ॐ उ॥ क्षाति का तुन सा

प्राज्ञा मित्रं ह्ययं ॥ सुतयाऽभिरुहाननालोलज्वलयदं ॥ ३१ ॥

ॐ सिद्धं न सा न अक्षतं यावत् ॐ अग्नयथा न तु न सा न सिद्धं न सिद्धं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

उत्तम धर्मदात्र श्रद्धा ॥ उत्तम धर्मदात्र श्रद्धा ॥ उत्तम धर्मदात्र श्रद्धा ॥

५६०८१० ममराज - क

इ इ न सा मा म व वा म नु र ॐ अ ॥ इ इ न वा नु न सा धे नु न रा ह द ॐ
आ या थ या न नु न सा ह नि हा नु नु य ॐ ॥ इ त्या या ह्नु अ नु न सा वि ह
ह ॐ अ ॥ इ अ या वि क नु न सा वि ह ॐ अ य अ या वि क नु न सा ग व
म न न न वि ॐ अ ॥ इ म क्रा य नु न सा ह्ना म अ ना वा द व ह्ना ॐ अ ॥ इ अ
अ या नु न सा मि ना ह द ॐ ॥ इ य अ य वा नु न सा ह मि ना ह द ॐ अ ॥ मि या अ व
या नु न सा नो क य सा द न ॐ अ ॥ मि ग नु न सा मि अ य स द य या य द ॐ अ
इ अ य या व नु न सा ग नु ह ॐ अ ॥ इ य अ य या नु सा म हि ढ ॥ न य या ध न य या य

तुन सा ज तु या ह य द न् ॥ ज उ अ य या तु क सा ग म ना ग म न ॥ इ व उ अ वा ना

तु न सा अ क न मि तु इ न् ॥ ज उ या त्रि तु न सा वि द स ग म न इ य म न सि

उ ॥ अ य उ या त्रि तु न सा वि वा द इ न् ॥ क उ ना त्रि तु न सा अ न सि इ उ अ य उ

ना त्रि तु न सा त्रि मि तु इ न् ॥ नि न् ॥ त्रि तु न सा ग म न सि धि इ न् ॥ ज उ अ गु वा

तु न सा हा ग न क न् ॥ इ व उ अ गु वा तु न सा य न य म न वि दा इ न् ॥ ज उ अ ग क

त्रि तु न सा य न व न ग य मा त्रि उ ॥ इ व उ अ ग्या त्रि तु न सा वि द स ग म न उ न

मा त्रि उ म य न् ॥ अ ग तु क या क न यो ह ग या इ ल

ॐ नमो जी गने स गमहा य ॥ काव पत्रि च्छायाय गुडवद्राय को सन्या
गुथया दृव लल दृ सकी सु हा डी ॐ गुया न कून ॥ द दिवेन साया डी काव
हाते साः माह द नव द न्य मात्रि डी ॥ न ॐ नि न कून स्वया डी क व हा डी न
साः ॐ न र गु व सु को ढा डी डी य द ॐ डी ॥ ३ ॥ अ गनि कून स्वया डी को
व हाते सा ॥ स सु ना स र ॐ डी ॥ ४ ॥ ॐ न र साया डी काव हाते सा ॥ स नि य
व द न द ॐ डी ॥ ५ ॥ ॐ सा न स्वया डी क व हाते सा सि धि या व द न द
ॐ डी ॥ ६ ॥ र मि स चो ढा डी र मि स क स्वया डी हाते सा सु या र य द ॐ डी

॥ अथ नष्टपह्ननस्तु काश्यप उवाच ॥ यत्तु गव्याडा काश्यप उवाच ॥ व
नसि विद ०० ॥ १ ॥ अ गनि सायाडाः काश्यप उवाच ॥ कृपाया पूत्रा स्वद न
द ०० ॥ २ ॥ दाहिन स्याज काश्यप उवाच ॥ ना ०० न ॥ अ म मा निडा ॥ ३ ॥ न
नि कून स्याडा काश्यप उवाच ॥ स ॥ म ॥ हि ० म हि ० मी य द ०० ॥ ४ ॥ पविम
स्याडा कश्यप उवाच ॥ अ जनमि सान स्य य द ०० ॥ ५ ॥ वा ०० व कून साया
डा काश्यप उवाच ॥ ना ज्ञा या मा न द ०० ॥ ६ ॥ अ न न दि सा साया काश्यप उवाच ॥
नृवा क्षत या सान ह काय निडा ॥ ७ ॥ ०० सान कून सायाडा काश्यप उवाच ॥ स

कुमाव हूं आदिगा मि वा वरु स स वा वडा कु इव हान साना नयामान्य
द हूं आथ न वा क्रि ह सका इव दा अया यनि छा श सो गुरा हूं आ
य व स सा या अ का इव हान अ न सा अ न गया र य न मानि अ ॥ १ ॥
अ गानि कू न सा या अ का इव हान अ न सा धन गार द हूं आ ॥ २ ॥ द वि न
दि सा स सा या अ का इव हान अ न सा धनि इ ई न द हूं आ ॥ ३ ॥ न हूं नि न कू न
सा या अ का इव हान अ न सा य न द स अ न व न सहि था स वा स न हूं आ ॥ ४ ॥
गा य छि म स स या अ का इव हान अ न सा सहि गुर व क न मानि अ ॥ ५ ॥ उ न न
सा या अ का इव हान अ न सा क व या व कु द हूं आ ॥ ६ ॥ हूं सान कू न सा या

ॐ कोट्य हानता सा सुक्तु कोटि मोह १० न मंगिता ॥ १ ॥ यथा चोक्तं
रुसस चोटा अकृत्वा सा सात्र कायम्वो हन यथा धि र या सायि ना पत्रा ॐ ॐ
॥ ॥ ह मिस चोटा अह मिस क स्या यो अ हान सा ता न मान नाय द ॐ ॐ
॥ ॥ च न साय हल हल अया ह न ना ॐ ॐ य स स न या ह ला ॐ ला सय
ह नान स ह अया ह न ॥ म नू य या क ह ह दा अ कोट्य हान सा नाना ॐ व रु
ना ह द ॐ ॐ ॥ न व य न या सि मा ह चोटा अ कोट्य हान सा सा च द ॐ
आ न र सिस चोटा अ कृत्वा हान सा कृया य द न द ॐ ॐ ॥ धू सि गु सि मा स
ह दा अ कोट्य हान सा नाना ना ह द ॐ ॐ ॥ ॐ प मा स चोटा अ कोट्य हान सा

[illegible]

ॐ ॥ ग ढ सि मा स श ढा ॐ क इ व हा न रा ॐ न यान ना ह द ॐ ॥

३
इह उपायः सा स श द्वां का रर सा त्र सा थ म ह्ला दा र व सि ध र ः

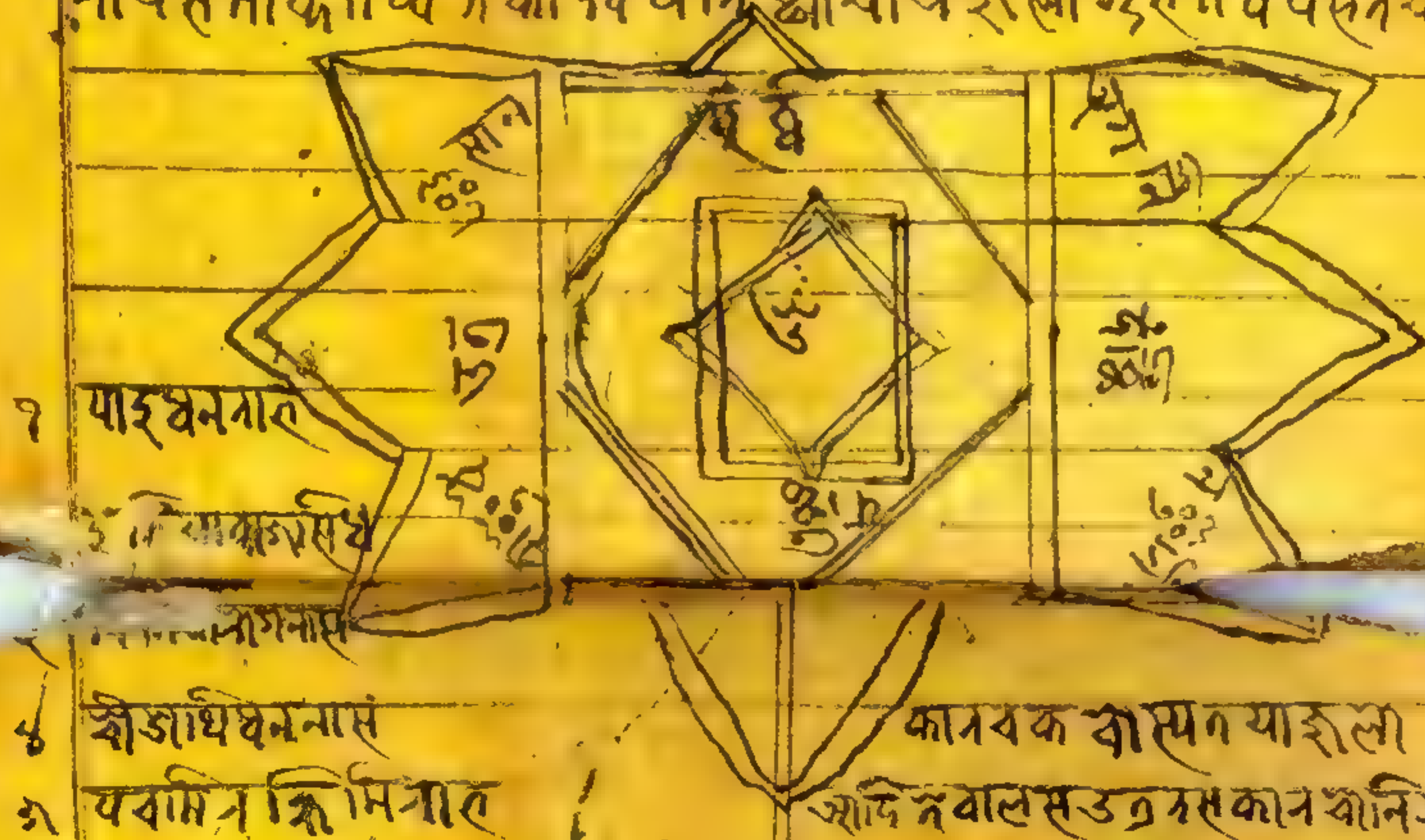
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

^{कोय}
कौधकं हानसा अरु सु उप यू उ ॥ कौ काँ चै क कोइव दान सा अ न ग

नारदः ॐ उपवाङ्मयूनां ज्ञानवेन स कश्यप ह्यनस नो ज्ञानो मानव

यसाद ॐ उगा न स न क श ढा उा का ग्य हा न सा स म् स स क ना ना ए

६०० अ ॥ कां कोव के का इव हा न सा. ख न व लु क ६०० अ ॥ कां कां ध
 क का इव हा न सा गु वं न थ अ ग हा न स त्रा ६०० अ ॥ ॐ नि नं दि कं सा
 नाय स मा य ॥ थ न का ख य नि द्या या य श ला ६०० अ ॥ थ व ह न या



श्री आधिपतनासं

३ यवमित्र क्रिमिनाह

७ गवामिकनरुशं००३

१ संयस्मिगुननाह

४ अस्मिस्तुवधयशं००३

२ नडापि मि०३१००३

कात्रवक वास्यनयाइला

आदि नवालस उग्रसकात्रधानिडा

गवमवात्रसवां००३सकात्रधानिडा

मंगुवात्रसयस्मिगुननाह

वृधवात्रसनायि०३१००३सकात्रधानि

वृहसयानिवात्रसदरिवंनसकात्रनि०३१

१० यथा दसि सताह दं डं डं

उक्तवानसं जगानस कान वान डं

११ यका दसि सताह दं डं डं

सनिववानस यंत्र द्वे सवस यानि

१२ द्वादसि सतु धन यशं डं डं

कानसि डं न यानसा शुवशं डं डं

१३ तया दसि कायसि धं डं डं

कानरुक्ता सताह साकायसि धिं डं डं

१४ यतु दसि कायसि धं

कानरुक्ता सताह साकायसि धं डं डं

१५ यनसासि कायसासि य

कानरुक्ता सताह साकायसि धं डं डं

अगिनिया कानरुक्ता सताह साकायसि धं डं डं

प्रादुर्भासि ॥ १ ॥ नन्दासि ॥ २ ॥ पूर्वसंज्ञागिनिशानि ॥ ३ ॥

प्रतिभा ॥ ४ ॥ यथादासि ॥ ५ ॥ अशानिसंज्ञागिनिशानि ॥ ६ ॥

पयसि ॥ ७ ॥ प्रथादासि ॥ ८ ॥ दक्षिणसंज्ञागिनिशानि ॥ ९ ॥

वत्सल्य ॥ १० ॥ दादासि ॥ ११ ॥ नृनिनसंज्ञागिनिशानि ॥ १२ ॥

श्वसमि ॥ १३ ॥ वत्सल्यदासि ॥ १४ ॥ पादुमसंज्ञागिनिशानि ॥ १५ ॥

सपनमि ॥ १६ ॥ अमावास्या ॥ १७ ॥ वायुसंज्ञागिनिशानि ॥ १८ ॥

द्वितीया ॥ १९ ॥ दसमि ॥ २० ॥ उन्नतसंज्ञागिनिशानि ॥ २१ ॥

10/10/15 14/15 15/15 16/15 17/15 18/15 19/15 20/15 21/15 22/15 23/15 24/15 25/15 26/15 27/15 28/15 29/15 30/15 31/15 32/15 33/15 34/15 35/15 36/15 37/15 38/15 39/15 40/15 41/15 42/15 43/15 44/15 45/15 46/15 47/15 48/15 49/15 50/15 51/15 52/15 53/15 54/15 55/15 56/15 57/15 58/15 59/15 60/15 61/15 62/15 63/15 64/15 65/15 66/15 67/15 68/15 69/15 70/15 71/15 72/15 73/15 74/15 75/15 76/15 77/15 78/15 79/15 80/15 81/15 82/15 83/15 84/15 85/15 86/15 87/15 88/15 89/15 90/15 91/15 92/15 93/15 94/15 95/15 96/15 97/15 98/15 99/15 100/15 101/15 102/15 103/15 104/15 105/15 106/15 107/15 108/15 109/15 110/15 111/15 112/15 113/15 114/15 115/15 116/15 117/15 118/15 119/15 120/15 121/15 122/15 123/15 124/15 125/15 126/15 127/15 128/15 129/15 130/15 131/15 132/15 133/15 134/15 135/15 136/15 137/15 138/15 139/15 140/15 141/15 142/15 143/15 144/15 145/15 146/15 147/15 148/15 149/15 150/15 151/15 152/15 153/15 154/15 155/15 156/15 157/15 158/15 159/15 160/15 161/15 162/15 163/15 164/15 165/15 166/15 167/15 168/15 169/15 170/15 171/15 172/15 173/15 174/15 175/15 176/15 177/15 178/15 179/15 180/15 181/15 182/15 183/15 184/15 185/15 186/15 187/15 188/15 189/15 190/15 191/15 192/15 193/15 194/15 195/15 196/15 197/15 198/15 199/15 200/15 201/15 202/15 203/15 204/15 205/15 206/15 207/15 208/15 209/15 210/15 211/15 212/15 213/15 214/15 215/15 216/15 217/15 218/15 219/15 220/15 221/15 222/15 223/15 224/15 225/15 226/15 227/15 228/15 229/15 230/15 231/15 232/15 233/15 234/15 235/15 236/15 237/15 238/15 239/15 240/15 241/15 242/15 243/15 244/15 245/15 246/15 247/15 248/15 249/15 250/15 251/15 252/15 253/15 254/15 255/15 256/15 257/15 258/15 259/15 260/15 261/15 262/15 263/15 264/15 265/15 266/15 267/15 268/15 269/15 270/15 271/15 272/15 273/15 274/15 275/15 276/15 277/15 278/15 279/15 280/15 281/15 282/15 283/15 284/15 285/15 286/15 287/15 288/15 289/15 290/15 291/15 292/15 293/15 294/15 295/15 296/15 297/15 298/15 299/15 300/15 301/15 302/15 303/15 304/15 305/15 306/15 307/15 308/15 309/15 310/15 311/15 312/15 313/15 314/15 315/15 316/15 317/15 318/15 319/15 320/15 321/15 322/15 323/15 324/15 325/15 326/15 327/15 328/15 329/15 330/15 331/15 332/15 333/15 334/15 335/15 336/15 337/15 338/15 339/15 340/15 341/15 342/15 343/15 344/15 345/15 346/15 347/15 348/15 349/15 350/15 351/15 352/15 353/15 354/15 355/15 356/15 357/15 358/15 359/15 360/15 361/15 362/15 363/15 364/15 365/15 366/15 367/15 368/15 369/15 370/15 371/15 372/15 373/15 374/15 375/15 376/15 377/15 378/15 379/15 380/15 381/15 382/15 383/15 384/15 385/15 386/15 387/15 388/15 389/15 390/15 391/15 392/15 393/15 394/15 395/15 396/15 397/15 398/15 399/15 400/15 401/15 402/15 403/15 404/15 405/15 406/15 407/15 408/15 409/15 410/15 411/15 412/15 413/15 414/15 415/15 416/15 417/15 418/15 419/15 420/15 421/15 422/15 423/15 424/15 425/15 426/15 427/15 428/15 429/15 430/15 431/15 432/15 433/15 434/15 435/15 436/15 437/15 438/15 439/15 440/15 441/15 442/15 443/15 444/15 445/15 446/15 447/15 448/15 449/15 450/15 451/15 452/15 453/15 454/15 455/15 456/15 457/15 458/15 459/15 460/15 461/15 462/15 463/15 464/15 465/15 466/15 467/15 468/15 469/15 470/15 471/15 472/15 473/15 474/15 475/15 476/15 477/15 478/15 479/15 480/15 481/15 482/15 483/15 484/15 485/15 486/15 487/15 488/15 489/15 490/15 491/15 492/15 493/15 494/15 495/15 496/15 497/15 498/15 499/15 500/15 501/15 502/15 503/15 504/15 505/15 506/15 507/15 508/15 509/15 510/15 511/15 512/15 513/15 514/15 515/15 516/15 517/15 518/15 519/15 520/15 521/15 522/15 523/15 524/15 525/15 526/15 527/15 528/15 529/15 530/15 531/15 532/15 533/15 534/15 535/15 536/15 537/15 538/15 539/15 540/15 541/15 542/15 543/15 544/15 545/15 546/15 547/15 548/15 549/15 550/15 551/15 552/15 553/15 554/15 555/15 556/15 557/15 558/15 559/15 560/15 561/15 562/15 563/15 564/15 565/15 566/15 567/15 568/15 569/15 570/15 571/15 572/15 573/15 574/15 575/15 576/15 577/15 578/15 579/15 580/15 581/15 582/15 583/15 584/15 585/15 586/15 587/15 588/15 589/15 590/15 591/15 592/15 593/15 594/15 595/15 596/15 597/15 598/15 599/15 600/15 601/15 602/15 603/15 604/15 605/15 606/15 607/15 608/15 609/15

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २५ ॥

[illegible]

मित्रादिभिः सहितः । मित्रं न हि यादृ ॥ गत्वा विहारा यदा

नमो भगवते वासुदेवाय

2353-2600

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

4512

[illegible]

[illegible]

उन्मा॥ मरु नाभय॥ मरु वीराक थजि न वल मकुता तं व त वा कला मिया वडा पानि
 भुव्वल यला गा रु ला ह द पा रा व छो वे ला व नो जे त्रि ह व न न मित ख वि त नि स्र
 ख द ख उ प्र ला वा म सि धि वि स र ह म भु मंगल दि स ता॥ ॥ हु ना हु काल वडा प्र भु प
 ति द स को व ड धं थ ज ह रु पि ता रु मा ह ना ह त्रि प ज न म थ न त की रा जा म ह मा

॥

ॐ कौटुम्बिक उपाधिदिने नमः शान्तिहस्तारमालि उवा ॥ सद्यः सुलाकवधगुनानि

9

ॐ वंशुष्मा हा वा का य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाके न

ॐ भूतेश्वरि त्रिगुणोद्धारक विक्कनसथून

ॐ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ दशमोऽध्यायः

ॐ वज्रमहामुद्रां स्वाहा ॥ ज्ञानमय

॥ अंश्मन्मूय स्वाहा ॥ ५ ॥ अग्निं क्रिये

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

4

△

१२ १६

5

90

95

३०

35

5

92

96

24

30

36

1

1	14	29	26	31	42	42			
8	95	28	32	40	46	116	54		
2	96	211	36	41	114	53	112	49	
90	20	30	40	110	50	110	60	20	900
99	22	33	44	111	55	111	66	22	990
92	24	34	46	50					

आदि नं	आ	आदि नं	आ	आ	वर्गनाम
१	१	वेन इ	३	१	१००
२	२	५	४	२	५२
३	३	मिहान ता	५	३	११
४	४	नन न	६	४	१०
५	५	आदि वा	७	५	१००
६	६	नवातास	८	६	५२
७	७	वृत्तया ह	९	७	१०
८	८	१०	१०	८	५२
९	९	१०	१०	९	१०
१०	१०	१०	१०	१०	१०
११	११	१०	१०	११	१०
१२	१२	१०	१०	१२	१०
१३	१३	१०	१०	१३	१०
१४	१४	१०	१०	१४	१०
१५	१५	१०	१०	१५	१०
१६	१६	१०	१०	१६	१०
१७	१७	१०	१०	१७	१०
१८	१८	१०	१०	१८	१०
१९	१९	१०	१०	१९	१०
२०	२०	१०	१०	२०	१०

[illegible]





अशु हन रुमि

नाहि मग अडा

पुनव निश अशुन

मय पूर्वका डवरा

रुष्ट निना खानि

विद्या अन्तरा अष्ट

मन पूर्वका डवासा

मवन धनं सुगति

पूर्व उग्र शिव

		इननाम			
वननाम	मिसानरुत	शय	क इननाम	थममरुत	इननाम
इन शय	मानय		लाग दय	य	सहय नरु
गारदय २		१२ डी नरु	अपिनि ३		१२ गारय
३	१	११ य	शय ३	१	११
कि नानदा	आदिश्वान	मिसावद	कगामनय	सामवागय	अमरुत
इनय ४	मनवअयाह	वहय	नूत पिनि ४	नूतअयाह	१० सय
	ल		शय	वडगा	
युगह ५	१	५ पापिठ	युगअवि	१	५ अमाव
य	मिशननक	शय	नाचह ४	निधुनिश	५ यकाद
गदि	गामनय	नि	य थमम	दय	थम य
पहय		आगी	यहय		मरुत
		शय			य
दतिदह	मामनवथम	दतिदह	इनजंग	यनयजपि	इननाम

पशुय	मामात्रयम	दोतिप्रस	इनर्जंग	गुनप्रजपि	इननास
दतिप्रस	सुशयसा	रु	हान शय	निजसय	हय य
नगाह	सायसासह	नडाह	नाडाया	११	यय
हय ३	साहिदय	११ दय	गमास्य ३	१	११ य
नाशकि	ममत्रवाग	नाशमीन	इनर्जंग ४	वृद्धवागन	इनर्ज
नासयुसग	रानवडा	नासहय	हय	नयडाया	नशय
	याहन	१०	हय	हय	
कायग १	१	पाति	गुनप्रय १	१	इमा
वाद्यय	यमचाथह	४ हय	इनयुगना	४	यानय
थाक सय	लीनिकाम	वान	सय	हय	यम हय
य नासह	नाम सय	हय	दय	हय	हय
य					

वननाम न शय यमिय सगुय २ ३	कायमूत्राय कादयुखाय मानि हय १	वननाम यय १२ वनमु १५ नश्य	पुष्टिपाने शय १२ वाशकि १५ शाय २ ३	वनशंग यमिघास १२ नक्षत्र १५ १	वननाम शय १२ नक्षत्र १५ १
संयमिद ४ यकहय	वृक्षनिवान सूनुतजया हय	गुयसंयमि १० दय	वनशंग ४ शय	शुक्रवा नक्षत्र याहन	मिशनहय मिसायास १० हावह य
गुय १ हय	१ हयमिअंग	६ वनशंग नश्य	पुष्टि १ दिहय	१ विपनिह	६ वनशंग नश्य
सायु नासया य	हय	यम मयह य	नक्षत्र दीन य	नक्षत्र अयमा य	यज मयह य
नामिद	यसम	नाशय	नाशय	नाशय	नाशय

 नातिह यन अति य 	 यमम नं यु ९ 	 नातिह मि ११ ११म ३ 	 नातिह नि न मि ३ 	 विदु ह ९ 	 यन म ११ ११म ३
 य ५ ५ 	 अनि न ५ 	 पा ५ ५ 	 कि ५ ५ 	 ना ५ ५ 	 य ५ ५
 य ५ ५ 	 ग ५ ५ 	 नि ५ ५ 	 का ५ ५ 	 क ५ ५ 	 अ ५ ५
 स ५ ५ 	 ना ५ ५ 	 ना ५ ५ 	 ह ५ ५ 	 या ५ ५ 	 म ५ ५



१	२	४
५	६	३
७	८	९









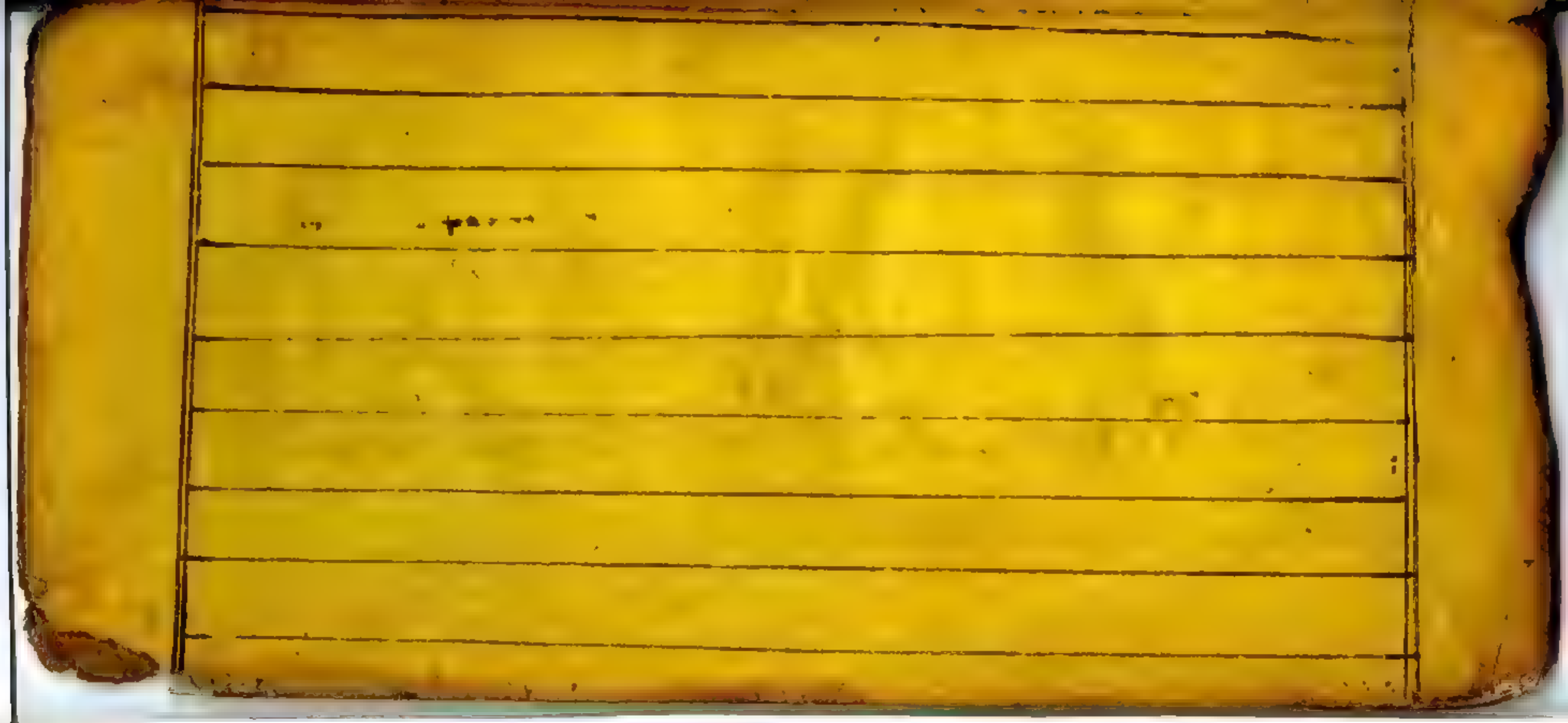


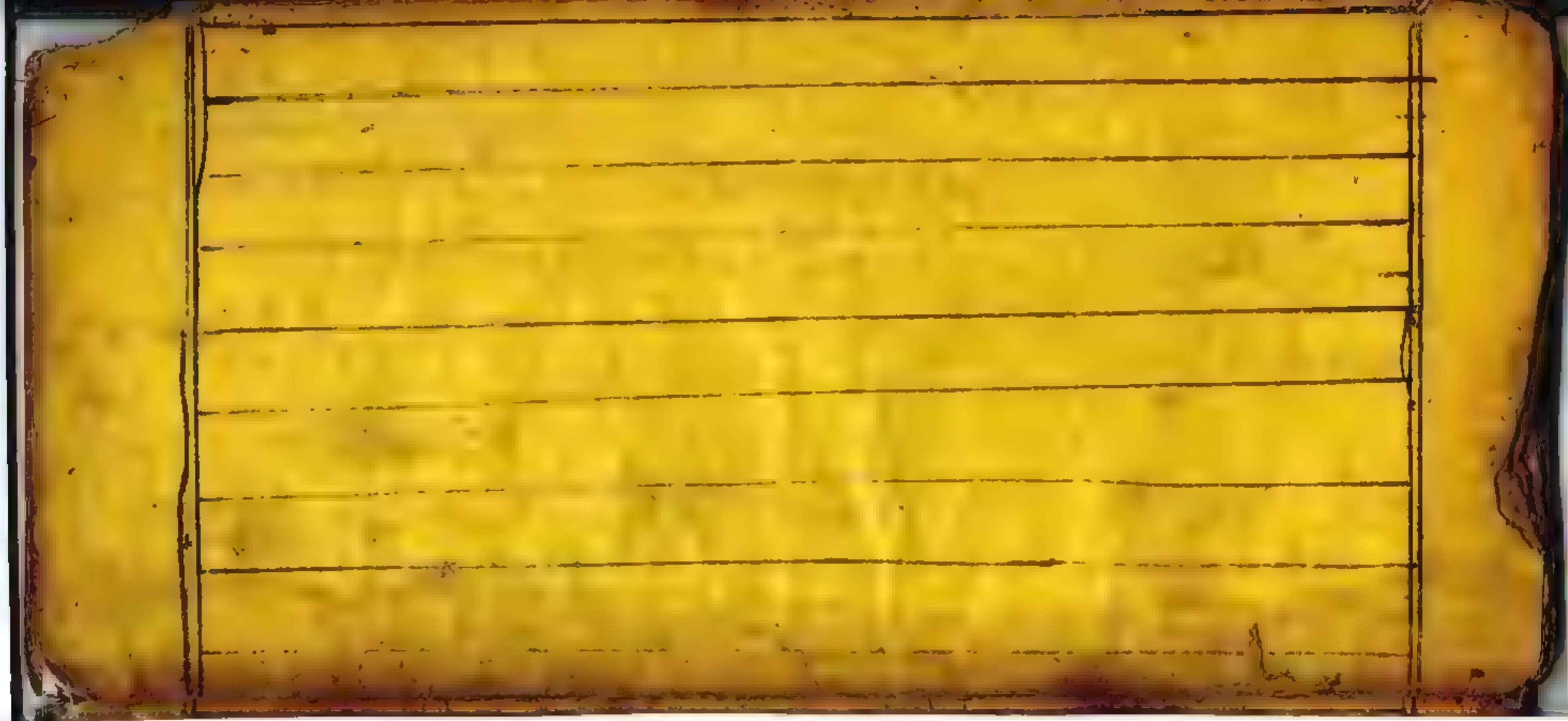


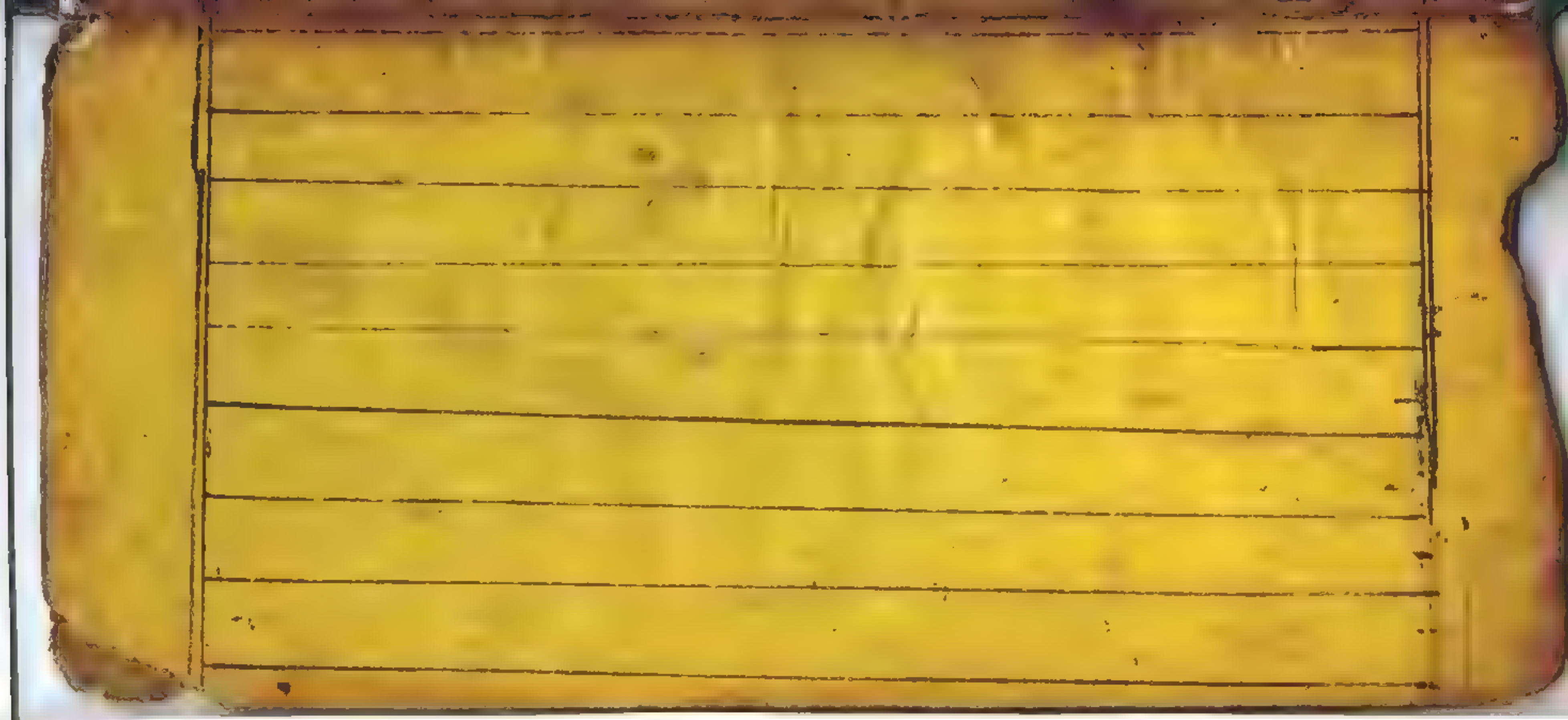












ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 कृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ १ ॥

अथ गृहवाय	श्रीग
अथ दिव्यस्त्रीऽमः सावासा	विश्वकर्मा १ ॥ व्याघ्रा १३ ॥ वंश २१
अथ सामहिताः सख	पीछि १ ॥ हरेन २४ ॥ उद २७
अथ मंगलः वकाः थसा	अथ वमान् ३ ॥ वज्र ११ ॥ वैष्णवि २१
अथ वृद्धकाः यज्ञ	अथ शाग्य ४ ॥ मीमि १७

रु स्यातिः तद्वाः सीयासं

शुकः क य गु सल

र सति सनः मासः भू

लाहः स्वाः रोग

क गु कालः वाग

र म म सिंहारं भू र

र मोहन

र अग्निगोष

शुक म

रु कि

रु ग

र गीष

रु कि

रु व

१

३

१

४

२

१०

१०

११

१२

र वागि पाग ११

र वलियात १६

र योनि दान १२

र मि व २०

र मि षि २१

र मा व २२

रु व २३

रु कं २४

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

सूत्रं ज्ञायात् कुरुयात् अस्म

विनाजनिहा हं नारा ३

विनाजनिहा हं नारा १

कं सु ३ त्रि म १ निवा ३ य

म ल व २ य २

सयात् अनिधर नारा ६

हि विनाय माया अस्म

क य म ना वा म ना

मिध व कं छि

म न ह ना व कं छि

ध नि ना सा गा नि ना हा ज ना य न कं